BRAHMA KUMARIS

8-A, Vasant Nagar, Diksha Bhumi Square, Nagpur, Maharashtra.

Email- Id : vasantnagar.ngp@bkivv.org **Landline: 0712-9373225747**

प्रेस विज्ञप्ति

" हिंसा से कोर्ट सुधार नहीं हो सकता, मुल्यों से ही समाज में परिवर्तन ला सकते हैं " — पूर्व चीफ जस्टीस व्ही. ईश्वरैय्या

नागपुर 29 जून- उपरोक्त विचार ब्रह्माकुमारी संस्था वसंत नगर में आयोजित चर्चासत्र में जस्टीस व्ही. ईश्वरैय्या- पुर्व चीफ जस्टीस आंध्रप्रदेश हायकोर्ट एवं चेअरपर्सन एन.सी.बी.सी. (National Commission for backward Classes) ने प्रकट किये। गुरूवार 29 जून 2017 को सायं 6 बजे चर्चासत्र का आयोजन किया गया। व्ही ईश्वरैय्या जी ने अपने वक्तव्य में कहां, कि मनुष्य के जीवन में जो भी बाधांयें, समस्यायें आती है उससे जुझने के लिए आध्यात्मिक शक्ति की आवश्यक्ता है। मनुष्य स्वयं को देह समझता है, लेकीन देह तो केवल 5 तत्वों का पुतला है, उसे चलाने वाली चैतन्य शक्ति आत्मा है। आज मनुष्य की आत्मा विकाराधीन होने के कारण कमजोर हो गई, इसलिए वह यथार्थ निर्णय लेने में असमर्थ है। इसलिए समाज में दिनप्रतीदिन हिंसात्मक नकारात्मक कृत्य बढते जा रहे हैं। वातावरन का प्रभाव समाज के हर क्षेत्रपर पड रहां है। न्याय का क्षेत्र भी अछुता नहीं है। चंबल घाटी का पूर्व डाकु पंचमसिंग सो आज का ब्रह्माकुमार पंचमसिंग का उदाहरण देते हुये उन्होंने कहां की, ब्रह्माकुमारीज् की जेल सेवाओं के फलस्वरूप एक डाकु पंचम बदल सकता तो कोई भी बदल सकता है अत: मनुष्य के मन को हिंसा से सुधार नहीं सकते, आत्मा को परमपिता परमात्मा से जोडने से ही आत्मा शक्तिशाली बनती है, स्वयं के कर्मेन्द्रियों पर राज कर सकती एवं लोभ लालच से मुक्त रहकर यथार्थ निर्णय ले सकती है।

उन्होंने कहां कि, सत्य के मार्ग पर चलने के लिए आत्मा पवित्र चाहिए। सत्य के सूर्य को असत्य के बादल ढक सकते हैं लेकीन मिटा नहीं सकते। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुये कहां कि, मैने अपने जीवन में सत्य के आधार पर ही कार्य किया। उन्होंने अपने कार्यकाल में 69000 से भी अधिक केसेस को उन्होंने बिना कीसी लोभ लालच किये, ना किसी के दबाव में आकर सच्चाई के आधार पर फैसले दिये। अंतरात्मा की आवाज सुनते, सदा कर्मठ और साक्षी रहकर उन्होंने निर्णय लिये। उन्होंने कहां कि, उनको यह शक्ति ब्रह्माकुमारी विद्यालय में राजयोग मेडिटेशन सिखने पर एवं दैनंदिन जीवन में इसका प्रयोग करने से प्राप्त हुई। मेंडिटेशन हमें ओरिजनल सत्य स्वरूप की स्थिती में टिकने के लिए मदत करता है। जीससे हम सदा तनावमुक्त एवं हल्के रहते हैं। सत्यता के मार्ग पर बाधायें तो आती हैं, लेकीन सदा संतुष्ट एवं प्रसन्न रहने से बोझ महसुस नहीं होता।

सन्माननीय अतिथी के रूप में पधारे श्री बबनराव तायवाडे-प्रिसीपाल धनवटे नॅशनल कॉलेज, ने कहां कि, मैं व्ही ईश्वरय्या जी के जीवन शैली से बहोत प्रभावीत हुआ हुं। उनके कार्य करने की पध्दती को मैं अपने जीवन में अमल में लाऊंगा। श्री पुरूषोत्तम पाटील-वाइस प्रेसिडेंट हाय कोर्ट बार असोसिएशन ने कहां की, व्ही ईश्वरैय्या जी से मैंने मेडिटेशन का महत्व समझा। मै भी ब्रह्माकुमारीज् में राजयोगा मेडिटेशन जरूर सिखुंगा।

श्री संजय पन्नासे जी ने कहां की व्ही ईश्वरैय्या जी के कार्य पध्दती से हम अपने कार्य में तनाव मुक्त रह सकते हैं। मैं भी मेडिटेशन को अपनाकर इसका अभ्यास करते रहुंगा।

कार्यक्रम में ॲडवोकेटस्, चार्टड अकॉउन्टेन्टस्, रिवेन्यु अधिकारी, टॅक्स अधिकारी, पोलिस अधिकारी एवं कायदे से संबंधित लोग बडी संख्या में उपस्थित थे।

ब्रह्माकुमारी मनिषा दीदी, सहसंचालिका ब्रह्माकुमारीज् नागपुर ने सबका पुष्पों से एवं शब्दों से स्वागत किया और सबको राजयोगा मेडिटेशन सिखने के लिए निमंत्रण दिया। ब्रह्माकुमारी निलीमा बहन ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं ब्रह्माकुमार प्रेमप्रकाश भाई ने सबका आभार प्रदर्शन कर मेडिटेशन सिखने की प्रेरणा दी।

ईश्वरीय सेंवामें

ब्रह्माकुमारी रजनी बहन
संचालिका, ब्रह्माकुमारीज् नागपुर